16 मार्च 2022

विशेष रिपोर्ट

मसाले

मार्च 2022

smc

Moneywise. Be wise.

हल्दी

महत्वपूर्ण कारक

- घरेलू और मध्य-पूर्व और बांग्लादेश से निर्यात मांग
- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें
- किसानों और व्यापारियों के पास स्टॉक की स्थिति
- हाजिर बाजार जैसे निजामाबाद, सांगली आदि में आवक

हल्दी वायदा का साप्ताहिक चार्ट

Source: Reuters & SMC Research

फंडामेंटल:

- जनवरी 2022 में 11148 के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूने के बाद फरवरी 2022 के महीने से हल्दी की कीमतों में गिरावट हो रहा है। फरवरी 2022 के बाद से, अधिक आवक और कम निर्यात मांग के कारण यह नए सीजन के कारण 11400 के स्तर से 11% से अधिक फिसल कर 8950 के स्तर से नीचे आ गया है।
- एनसीडीईएक्स में, सबसे सक्रिय अप्रैल वायदा जनवरी के दौरान वर्ष-दर-वर्ष लगभग 44% बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था लेकिन अब लगभग पिछले वर्ष के समान स्तर पर कारोबार कर रहा है। इस वर्ष लगभग सभी प्रमुख हल्दी उत्पादक क्षेत्रों में खराब मौसम के कारण हल्दी का उत्पादन कम हुआ है। इस प्रकार, महाराष्ट्र के सांगली जिले की मंडी में किसान गुणवत्ता वाली हल्दी को 9,000 रुपये से 10,000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बेच रहे है।
- कम उत्पादन की संभावनाओं के बावजूद, अधिक कीमतों पर निर्यात की धीमी मांग के कारण हल्दी की कीमतों में तेजी नहीं आई है।
- कोरोना काल में लोग हल्दी को इम्युनिटी बूस्टर के तौर पर इस्तेमाल करने लगे हैं। इसलिए, पिछले दो वर्षों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इसकी मांग बढ़ गई है। कारोबारियों का कहना है कि इस साल उत्पादन में कमी की वजह से सीजन की शुरुआत से ही कीमतों में तेजी जारी है और आगे भी जारी रहेगी।
- सीजन की शुरुआत में, किसानों के लिए कीमतें बहुत आकर्षक थीं, इसलिए भौतिक मंडियों में आवक बढ़ गई है। बाजार सूत्रों के मुताबिक सांगली मंडी में हल्दी की 8 से 9 हजार बोरी की आवक शुरू हो गई है।
- वित्त वर्ष 2021/22 में हल्दी का निर्यात कम हुआ है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021/22 के पहले 10 महीनों (अप्रैल-जनवरी) में, निर्यात पिछले साल की तुलना में 15.5% घटकर 1,53,574 टन हो गया, लेकिन 5 साल के औसत की तुलना में 9.2% अधिक है। हल्दी का प्रमुख निर्यात गंतव्य बांग्लादेश, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात है।

आउटलुक

- नए सीजन की आवक और निर्यात मांग में कमी की संभावना से एनसीडीईएक्स में हल्दी (अप्रैल) की कीमतों में नरमी देखी जा रही है। किसान अपनी उपज को बाजार में ला रहे हैं, क्योंकि पिछले साल की तुलना में इस साल कीमतें अधिक हैं। स्थानीय मांग अच्छी रही है लेकिन अधिक आवक ने हाल ही में भौतिक बाजारों में कीमतों पर दबाव डाला। घरेलू बाजार में मौजूदा कीमतों में बढ़ोतरी के कारण निर्यात मांग में अभी तक तेजी नहीं आई है। मौसमी चार्ट के अनुसार, आगामी दिनों में हल्दी की कीमतों में अधिक गिरावट हो सकती है, क्योंकि आवक तेज हो रही है। कीमतों के कम से कम अप्रैल तक 8000 के स्तर पर कारोबार करने की संभावना है, जिसके बाद रुझान घरेलू और निर्यात मांग पर निर्भर करेगा।
- **हल्दी का टेक्निकल स्तर**

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
अप्रैल	7,264	8,042	9,246	10,024	11,228
मई	7,409	8,169	9,333	10,093	11,257

हल्दी वायदा कीमतों में मासिक बदलाव चार्ट (%)

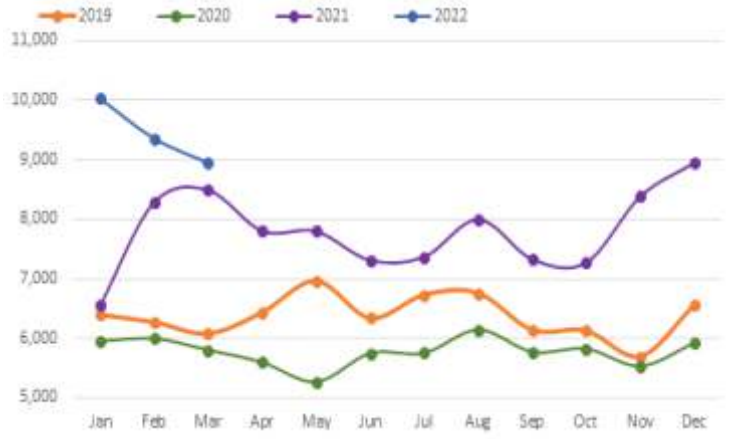

हल्दी वायदा का मौसमी चार्ट

जीरा

महत्वपूर्ण कारक

- चालू वर्ष के लिए उत्पादन अनुमान
- भौतिक बाजारों में आवक की मात्रा
- किसानों और व्यापारियों के पास स्टॉक
- भारतीय जीरे की निर्यात मांग
- अन्य जीरा उत्पादक देशों में उत्पादन की संभावनाएं

जीरा वायदा का साप्ताहिक चार्ट

Source: Reuters & SMC Research

फंडामेंटल:

- एनसीडीईएक्स पर जीरा वायदा फरवरी 2022 में अब तक के उच्चतम स्तर 22,585 प्रति क्विंटल पर पहुंचा गया था । फरवरी 2022 के बाद से वायदा कीमतों में 8.8% की वृद्धि हुई, जबकि वर्ष 2022 में कीमतों में करीब 30% की वृद्धि हुई, क्योंकि रिपोर्ट है कि देश में जीरे की बुआई में 50% से अधिक की कमी के कारण उत्पादन कम होगा।
- सबसे सक्रिय जीरा अप्रैल वायदा की कीमतें फरवरी की शुरुआत के बाद से थोड़ी अस्थिर रही हैं। कीमतें 19400 से बढ़कर 22,585 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई और फिर मार्च के पहले सप्ताह के दौरान यह फिर 19300 के स्तर पर से फिसल गई और अब 21140 तक रिकवर कर गई हैं।
- जीरा की कीमतों ने सीजन की शुरुआत में अच्छा रिटर्न दिया है क्योंकि राजस्थान और गुजरात के किसानों ने – दो बड़े उत्पादक राज्यों – ने इस रबी सीजन में अपने कुछ क्षेत्र को सरसों और अरंडी जैसी तिलहन फसलों को स्थानांतरित कर दिया है।
- फेडरेशन ऑफ इंडियन स्पाइस (एफआईएसएस) की वार्षिक बैठक में इस साल देश में जीरा उत्पादन अनुमान 37 फीसदी घटकर 3.01 लाख टन यानि 54.78 लाख बोरी (एक बैग=55 किलो) रह गया, जबकि पिछले साल उत्पादन अनुमान करीब 87 लाख बोरी था।
- फेडरेशन के अनुसार, गुजरात में जीरा उत्पादन में लगभग 44% की कमी आएगी जबकि राजस्थान में उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 32% की कमी होगी।
- वित्त वर्ष 2021/22 में मौजूदा अधिक कीमतों के कारण जीरा निर्यात पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में कम है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-जनवरी में जीरा का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 23% घटकर 1.88 लाख टन रह गया है, जो पिछले वर्ष 2.44 लाख टन हुआ था। भारतीय जीरा के लिए प्रमुख निर्यात गंतव्य चीन, बांग्लादेश और अमेरिका हैं, जहां लगभग एक-तिहाई जीरा निर्यात होता हैं। 2021/22 के दौरान दुनिया के 151 देशों में जीरा का निर्यात किया जाता है।

आउटलुक

- वर्तमान जीरा की कीमतों में रिकॉर्ड स्तर पर कुछ स्थिरता देखी जा रही है और फरवरी 2022 में 22585 के सर्वकालिक उच्च कीमतों पर पहुंचने के बाद कीमतों में कुछ गिरावट हुई हैं। एनसीडीईएक्स पर सबसे सक्रिय अप्रैल डिलीवरी की कीमतें उच्च स्तर पर मुनाफा वसूली के कारण एक महीने के निचले स्तर 19350 पर फिसल गई। लेकिन फिर से रिकवरी करते हुए 20890 के स्तर पर पहुंच गई जो मुख्य रूप से आपूर्ति की कमी और अच्छी घरेलू मांग के कारण हुई है। चूंकि भारत दुनिया में जीरा का एकमात्र स्रोत है, इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि जीरा (अप्रैल) की कीमतें 19350 के स्तर पर अहम सपोर्ट के साथ 21000-24600 के दायरे में कारोबार कर सकती है। मौसमी आधार पर इस साल कम आपूर्ति और कारोबारियों की ओर से अधिक मांग की संभावना से कीमतों में अधिक गिरावट नही होगी।

- **जीरा का टेक्निकल स्तर**

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
अप्रैल	17,502	19,353	21,077	22,928	24,652
मई	17,852	19,633	21,307	23,088	24,762

जीरा वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव चार्ट (%)

जीरा वायदा का मौसमी चार्ट

smc Moneywise. Be wise.

धनिया

महत्वपूर्ण कारक

- किसानों और स्टॉकिस्टों के पास कम स्टॉक
- घरेलू मांग और निर्यात मांग
- किसानों और व्यापारियों द्वारा अपने स्टॉक को बाजार में लाया जाना
- गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हाजिर बाजार में आवक

धनिया वायदा का साप्ताहिक चार्ट

फंडामेंटल:

- धनिया वायदा की कीमतें फरवरी 2022 को लगभग 6% बढ़कर बंद हुई और पिछले वर्ष की तुलना में कम उत्पादन की खबरों के कारण लगातार 5वें महीने बढ़त के साथ बंद हुई । वर्तमान में कीमतें वर्ष-दर-वर्ष 55% अधिक हैं और जनवरी से 23% अधिक हैं क्योंकि क्योंकि किसान पिछले साल कम आमदनी के कारण अन्य फसलों में स्थानांतरित हो गए हैं और कम उत्पादन की उम्मीद कर रहे हैं जबकि अधिक कीमतों के कारण निर्यात सामान्य है।
- इसके अलावा, राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के उत्पादन क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम भी धनिया की कीमतों को चालू वित्त वर्ष में उच्च स्तर पर ले जाने में मदद मिली है। कीमतें 6 साल के उच्चतम स्तर फरवरी 2022 में 11300 रू प्रति क्विंटल पर पहुंच गई हैं।
- फेडरेशन ऑफ इंडियन स्पाइस के सर्वेक्षण के अनुसार, वित्त वर्ष 2011/22 में धनिया का उत्पादन 25.8% कम होकर 72.70 लाख बोरी (1 बैग = 40 किलो) होने का अनुमान है जो पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में 25.23 लाख बैग कम है। गुजरात में धनिया का उत्पादन 18.3% कम होगा जबकि राजस्थान और मध्य प्रदेश में धनिया का उत्पादन लगभग 33 से 34% कम होगा।
- देश में धनिया का उत्पादन मुख्य रूप से गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में होता है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, बिहार, आंध्र प्रदेश समेत अन्य राज्यों में धनिया का मामूली उत्पादन होता है। फेडरेशन ऑफ इंडियन स्पाइस की सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक देश में धनिया की बुवाई में 25.4 फीसदी की कमी आई है, जिसमें गुजरात के रकबे में 15.6 फीसदी, राजस्थान और मध्य प्रदेश में क्रमश: 37.5 फीसदी और 58 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।
- सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021/22 (अप्रैल-जनवरी) की अवधि के दौरान निर्यात पिछले साल के 48,350 टन से 15% घटकर 41,100 टन हुआ है, लेकिन 5 साल के औसत की तुलना में 11% अधिक है। इसी तरह, कैलेंडर वर्ष 2021 में धनिया का निर्यात भी पिछले साल की तुलना में 3.5% घटकर 51779 टन रहा।
- धनिया को मुख्य रूप से बांग्लादेश, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किया जाता है, जिसमें इन दिशों की कुल हिस्सेदारी 70% है, जबकि पाउडर के रूप में धनिया ज्यादातर दक्षिण अफ्रीका, यूके और यूएसए को आपूर्ति की जाती है।

आउटलुक

- धनिया वायदा की कीमतें फिलहाल 6 साल के उच्च स्तर पर कारोबार कर रही है और अब मार्च के महीने में मजबूती के साथ कारोबार कर रही है। सबसे अधिक सक्रिय धनिया (अप्रैल) वायदा की कीमतों को 10300 के स्तर पर सपोर्ट और 11300 के स्तर पर रेजिस्टेंस है। यदि कीमतें लगातार मांग और आगामी सीजन में अनुमान से कम उत्पादन के कारण तत्काल रेजिस्टेंस स्तर को पार करती है तो 12100 के स्तर तक बढ़ जाएगी। हाजिर बाजार में नए सीजन के धनिया की आवक होने लगी है। मौसम के अनुसार, मार्च-अप्रैल के दौरान कीमतों में गिरावट हो जाती हैं क्योंकि नए सीजन की आवक कीमतों पर दबाव डालती है और कीमतें 9970-11500 के दायरे में कारोबार कर सकती है। धनिया की निर्यात मात्रा का कीमतों पर प्रभाव पड़ेगा और कीमतों को मदद मिल सकती है क्योंकि बाजार इस सीजन में सामान्य से कम आवक की उम्मीद कर रहा है।

धनिया का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
अप्रैल	9,110	9,970	10,633	11,500	12,150
मई	9,195	10,061	10,713	11,579	12,231

धनिया वायदा कीमतों में मासिक बदलाव चार्ट (%)

धनिया वायदा का मौसमी चार्ट

वंदना भारती	एवीपी कमोडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 625	**vandanabharti@smcindiaonline.com**
रितेश कुमार साहु	सीनियर रिसर्च एनॉलिस्ट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 674	**riteshkumarsahu@smcindiaonline.com**
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 646	**shivanand@smcindiaonline.com**

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Moneywise. Be wise.

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्त्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।